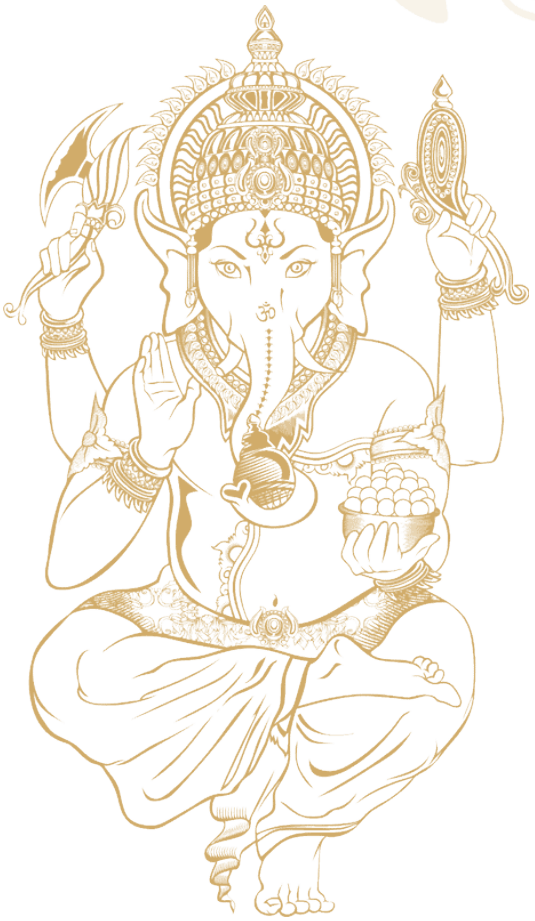

Amit

13 Sep 1994

09:45 AM

Delhi

Model: web-freekundliweb

Order No: 121691102

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**13/09/1994**
दिन	मंगलवार
जन्म समय	**09:45:00 घंटे**
इष्ट	09:10:13 घटी
स्थान	**Delhi**
देश	India

अक्षांश	28:39:00 उत्तर
रेखांश	77:13:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:21:08 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	09:23:52 घंटे
वेलान्तर	00:03:55 घंटे
साम्पातिक काल	08:51:35 घंटे
सूर्योदय	06:04:54 घंटे
सूर्यास्त	18:28:57 घंटे
दिनमान	12:24:03 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	दक्षिणायन
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	शरद
सूर्य के अंश	26:22:18 सिंह
लग्न के अंश	13:38:29 तुला

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	तुला - शुक्र
राशि-स्वामी	**धनु - गुरु**
नक्षत्र-चरण	**मूल - 2**
नक्षत्र स्वामी	केतु
योग	आयुष्मान
करण	बालव
गण	राक्षस
योनि	श्वान
नाड़ी	आद्य
वर्ण	क्षत्रिय
वश्य	मानव
वर्ग	मृग
युँजा	अन्त्य
हंसक	अग्नि
जन्म नामाक्षर	यो-योगेश
पाया(राशि-नक्षत्र)	ताम्र - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	कन्या

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			तुला	13:38:29	309:47:13	स्वाति	3	15	शुक्र	राहु	बुध	---
सूर्य			सिंह	26:22:18	00:58:24	पू०फाल्गुनी	4	11	सूर्य	शुक्र	केतु	स्वराशि
चंद्र			धनु	05:21:24	13:49:42	मूल	2	19	गुरु	केतु	मंगल	सम राशि
मंगल			मिथु	23:33:38	00:36:37	पुनर्वसु	2	7	बुध	गुरु	शनि	शत्रु राशि
बुध			कन्या	19:24:13	01:22:32	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	बुध	मूलत्रिकोण
गुरु			तुला	17:59:54	00:10:21	स्वाति	4	15	शुक्र	राहु	सूर्य	शत्रु राशि
शुक्र			तुला	10:37:13	00:46:18	स्वाति	2	15	शुक्र	राहु	शनि	मूलत्रिकोण
शनि	व		कुंभ	14:21:29	00:04:25	शतभिषा	3	24	शनि	राहु	बुध	मूलत्रिकोण
राहु	व		तुला	22:44:10	00:00:53	विशाखा	1	16	शुक्र	गुरु	शनि	मित्र राशि
केतु	व		मेष	22:44:10	00:00:53	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	मित्र राशि
हर्ष	व		धनु	28:44:54	00:00:55	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	मंगल	---
नेप	व		धनु	26:53:24	00:00:37	उत्तराषाढ़ा	1	21	गुरु	सूर्य	सूर्य	---
प्लूटो			वृश्चि	01:54:11	00:01:16	विशाखा	4	16	मंगल	गुरु	राहु	---
दशम भाव			कर्क	16:39:45	--	पुष्य	--	8	चंद्र	शनि	गुरु	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 23:47:12

लग्न-चलित

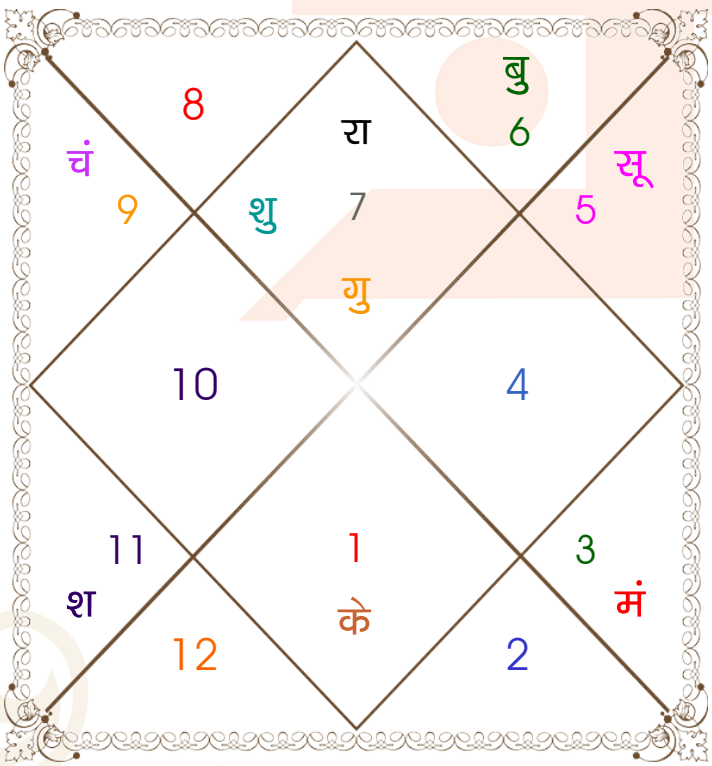

चन्द्र कुंडली

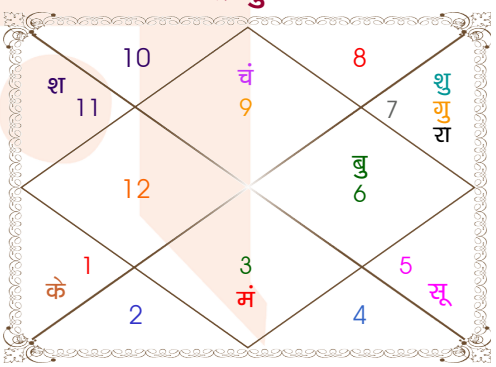

नवमांश कुंडली

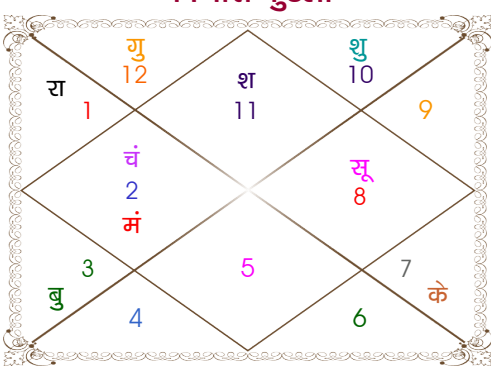

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : केतु 4 वर्ष 2 मास 7 दिन

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
13/09/1994		20/11/1998		20/11/2018		20/11/2024		20/11/2034	
20/11/1998		20/11/2018		20/11/2024		20/11/2034		20/11/2041	
	00/00/0000	शुक्र	22/03/2002	सूर्य	10/03/2019	चंद्र	20/09/2025	मंगल	19/04/2035
	00/00/0000	सूर्य	22/03/2003	चंद्र	09/09/2019	मंगल	21/04/2026	राहु	06/05/2036
	00/00/0000	चंद्र	20/11/2004	मंगल	15/01/2020	राहु	21/10/2027	गुरु	12/04/2037
	13/09/1994	मंगल	20/01/2006	राहु	08/12/2020	गुरु	19/02/2029	शनि	22/05/2038
मंगल	21/10/1994	राहु	20/01/2009	गुरु	26/09/2021	शनि	21/09/2030	बुध	19/05/2039
राहु	09/11/1995	गुरु	21/09/2011	शनि	08/09/2022	बुध	20/02/2032	केतु	15/10/2039
गुरु	14/10/1996	शनि	20/11/2014	बुध	16/07/2023	केतु	20/09/2032	शुक्र	14/12/2040
शनि	23/11/1997	बुध	20/09/2017	केतु	21/11/2023	शुक्र	22/05/2034	सूर्य	21/04/2041
बुध	20/11/1998	केतु	20/11/2018	शुक्र	20/11/2024	सूर्य	20/11/2034	चंद्र	20/11/2041

राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष	
20/11/2041		21/11/2059		21/11/2075		20/11/2094		22/11/2111	
21/11/2059		21/11/2075		20/11/2094		22/11/2111		00/00/0000	
राहु	02/08/2044	गुरु	08/01/2062	शनि	24/11/2078	बुध	18/04/2097	केतु	19/04/2112
गुरु	27/12/2046	शनि	21/07/2064	बुध	03/08/2081	केतु	15/04/2098	शुक्र	19/06/2113
शनि	02/11/2049	बुध	27/10/2066	केतु	11/09/2082	शुक्र	14/02/2101	सूर्य	25/10/2113
बुध	21/05/2052	केतु	03/10/2067	शुक्र	11/11/2085	सूर्य	22/12/2101	चंद्र	26/05/2114
केतु	09/06/2053	शुक्र	03/06/2070	सूर्य	24/10/2086	चंद्र	23/05/2103	मंगल	14/09/2114
शुक्र	09/06/2056	सूर्य	22/03/2071	चंद्र	24/05/2088	मंगल	19/05/2104		00/00/0000
सूर्य	03/05/2057	चंद्र	21/07/2072	मंगल	03/07/2089	राहु	07/12/2106		00/00/0000
चंद्र	02/11/2058	मंगल	27/06/2073	राहु	09/05/2092	गुरु	14/03/2109		00/00/0000
मंगल	21/11/2059	राहु	21/11/2075	गुरु	20/11/2094	शनि	22/11/2111		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल केतु 4 वर्ष 2 मा 12 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म स्वाती नक्षत्र के तृतीय चरण में तुला लग्नोदय काल हुआ था। आपके जन्मकाल मेदिनीय क्षितिज पर कुंभ राशि का नवमांश एवं कुंभ राशि का द्रेष्काण भी उदित था। तुला प्रभावित स्वरूप के अनुसार अनुकूल जन्म बिंदु यह सुनिश्चित करता है कि आपका जीवन उत्तम फलदायी रहेगा। साथ-साथ यह भी संकेत प्राप्त हो रहा है कि स्वयं ही कोमल भावनाओं से तप्त पथ पर चल कर मुसीबतों का सामना करना पड़ेगा।

स्वाती नक्षत्र एवं तुला राशि यह निर्देशित करता है कि आप स्वास्थ्य धन एवं प्रसन्नता के दृष्टि से सौभाग्यशाली है। परंतु कुंभ नवमांशदिक प्रभाव से यह दृश्य हो रहा है कि आप स्वभाव से डरपोक एवं द्विस्वभात्मक विचार के प्राणी हैं। यह आपकी प्रतिभा के समतुल्य नहीं है। इससे आपका साहस विश्वसनीयता, छवि, सत्यनिष्ठा एवं न्याय प्रियता में समानता नहीं हो रही है। आपको इस संभव नकारात्मक प्रवृति पर सफलता प्राप्त करनी चाहिए।

ऐसा हो सकता है कि आपको व्यक्तिगत रूप से अपनी पत्नी के प्रति श्रद्धावान होकर उसको प्रसन्न रखने के लिए वासनामय प्यार दे सके। ऐसी भी संभावना है कि आप अपने गुण के अनुरूप अपनी जीवन संगिनी को संतुष्ट करने के लिए किसी भी प्रकार से सामंजस्य स्थापित कर ले। परंतु जब ऐसा प्रदर्शन करने का मौका मिले तो वासनात्मक ज्यादती किसी भी विपरीत योनि के साथ करने की भावना से मिथ्याचारी प्रदर्शन कर के आप अंदर से कुछ और बाहर से कुछ और हैं ऐसा प्रमाण प्रस्तुत कर दे। आप सामान्यतः विपरीत योनि के प्रति विख्यात प्राणी है। आप प्रेम प्रसंग एवं वासनात्मक तृप्ति हेतु कामातुर होकर संतुष्टि प्राप्ति कर सकते हैं। इस प्रकार की प्रवृति आपको अन्दर से कुछ और तथा बाहर से कुछ और रूप में प्रस्तुत करता है।

यह बहुत उत्तम हो कि आप इस प्रकार के प्रसंग का निषेध कर अपनी संगिनी के प्रति विश्वासपात्र बनें। इस प्रकार की सदभावना पूर्ण कार्य कलाप से आपकी पारिवारिक व्यवस्था सुदृढ़ हों तथा आपकी समझदार पत्नी एवं सुंदर संतान युक्त परिवार में प्रसन्नता का सृजन हो जाए।

आपका जीवन सामान्यतः आपके कठिन श्रम युक्त एवं आपकी कुशाग्र बुद्धि के कारण उत्तम रहेगा। क्योंकि आप अत्यंत धन व्यय कर अपने परिवार को व्यवस्थित रखेंगे। आपके जीवन के इस वर्ष की अवस्था से 35 वर्ष की आयु तक का समय पूर्ण रूपेण धनमात्र के लिए महत्वपूर्ण रहेंगे। जिस वजह से आप मुक्त हस्त से धन का व्यय नहीं करेगे। बल्कि आप सदैव भवन को आकर्षित बनाने में आधुनिक साज शय्याओं एवं कलात्मक ढंग से सजाने पर भी धन का व्यय करेंगे। अन्य शब्दों में आपके आय का आंशिक राशि आपके सम्मिलित होने कारण व्यय होगा। अंत में परिणाम यह होगा कि आपकी वृद्धा अवस्था में धन का अभाव हो जाएगा तथा आपके पास मात्र काम चलाऊ धन राशि शेष रह जाएगा। आपकों अपनी वृद्धावस्था के लिए सदैव ही स्वास्थ्य संबंधी कुछ सावधानी बरतनी चाहिए। आप निःसंदेह उत्तम स्वास्थ्य का आनंद हर परिस्थिति में अच्छी प्रकार से प्राप्त करेंगे। लेकिन कुछ वर्षों के पश्चात्

नाजुक परिस्थिति में कतिपय रोग यथा चर्म रोग, तथा मूत्र संबंधी रोगादि से प्रभावित होने की आशंका है। अतः आपको इन रोगों के प्रति पूर्व ही सावधानी बरतनी चाहिए।

आप अपने कार्य-कलाप में उन्नति हेतु संबंधित अनुकूल अंक 1, 2, 4 एवं 7 अंक उपयुक्त है। परंतु अंक 3, 5, 6 एवं 9 अंक आपके लिए अनुपयुक्त एवं प्रतिकूल हैं। अस्तु अनुपयुक्त अंको का व्यवहार न करें।

आपके लिए साप्ताहिक वारों में भाग्यशाली दिन शनिवार तथा शुक्रवार है। परन्तु आपको रविवार, गुरूवार, मंगलवार एवं सोमवार के दिनों का परित्याग करना चाहिए क्योंकि ये चारों दिन आपके लिए अनुकूल नही है। बुधवार आप के लिए मध्य फलदायक है।